E-CONTENT FOR SEMESTER II

ज्ञान-मीमांसा
(EPISTEMOLOGY)

BY: SWATI SOURAV
POSTGRADUATE DEPARTMENT OF SOCIOLOGY
PATNA UNIVERSITY

परिचय (INTRODUCTION)

- ज्ञान-मीमांसा ज्ञान की जांच को कहते हैं।
- यह दर्शनशास्त्र का एक शाखा है जो ज्ञान की प्रकृति, उसका श्रोत एवं उसकी सीमा के बारे में जानकारी प्राप्त करता है।
- ज्ञान-मीमांसा बिना सत्तामीमांसा (ontology) के नहीं समझा जा सकता।
- ज्ञान-मीमांसा एवं सत्तामिमांसा दोनों दर्शनशास्त्र की शाखा तत्वमीमांसा (metaphysics) का दो प्रमुख पहलु है जो दो बुनियादी सवालों से सम्बंधित है: पहला सवाल सत्तामीमांसा से जुड़ा है जो दुनिया में मौज़ूद सभी चीजों की विशेषताओं के बारे में जानकारी प्राप्त करता है; दूसरा सवाल ज्ञान-मीमांसा का है जिसका कार्य है उन चीजों कि मौज़ूदगी पर सवाल उठाना कि क्यूँ और कैसे वो चीज़ें मौज़ूद हैं।

सत्तामीमांसा (ONTOLOGY)

- सत्तामीमांसा का सम्बन्ध वास्तविकता की प्रकृति या अस्तित्व से है और विभिन्न सत्तामीमांसा की अवस्थायें अलग-अलग नुस्खे दर्शाती हैं कि सत्य क्या हो सकता है और क्या नहीं।
- उदाहरण के लिए, कोई व्यक्ति जो भौतिकवादी सत्तामीमांसा का स्थान लेता है (उदाहरण के लिए, वह सब जो वास्तविक है वह भौतिक दुनिया है) इस विचार को अस्वीकार कर देगा कि भूत या आत्माएं भौतिक दुनिया को प्रभावित कर सकती हैं।
- अब सवाल यह है कि ऐसा क्यूँ? ऐसा इसलिए है क्यूंकि अगर वह सब जो वास्तविक है वह भौतिक है तो भूत मौज़ूद नहीं हो सकता।
- भौतिकवाद प्रमुख सत्तामीमांसा के पदों में से एक है, और यह प्राकृतिक विज्ञानों में किए गए अधिकांश शोधों की नींव है।

To be cont.

- हालांकि, क्रैग का मानना है कि वास्तविकता का एक प्रतिस्पर्धात्मक दृष्टिकोण आदर्शवाद है, जो प्रस्ताव करता है कि वास्तविकता भौतिक के बजाय मानसिक और आध्यात्मिक है।
- एक अन्य सत्तामूलक (ontological) स्थिति आध्यात्मिक मनोवाद है।
- उस स्थिति के समर्थकों ने इस धारणा पर जोर दिया है कि जिसे हम अपनी इंद्रियों के माध्यम से अनुभव करते हैं वह वास्तविकता बनाता है और यह कि हमारे मस्तिष्क में जो भी है, इसके अलावा और कोई वास्तविकता नहीं है।
- इसका अर्थ यह है कि मनुष्य अपने स्वयं के मन में जो बनाते हैं इसके अलावा कोई वास्तविकता नहीं है।
- अतः सत्तामीमांसा प्रमुख रूप से वस्तुओं या चीजों के वास्तविकता से सम्बंधित है।

ज्ञान-मीमांसा (EPISTEMOLOGY)

- ज्ञान-मीमांसा का संबंध इससे है कि हम वास्तविकता के बारे में क्या जान सकते हैं और हम इसे कैसे जान सकते हैं।
- अति सरलीकरण की आशंका पर देखें तो सत्तामीमांसा इस बारे में है कि वास्तविक क्या है या किसी भी वस्तु का अस्तित्व क्या है और ज्ञान-मीमांसा ज्ञान के बारे में है।
- वास्तव में, ज्ञान-मीमांसा का अंग्रेजी शब्द ग्रीक शब्द एपिस्टेम (episteme) से आया है, जिसका अर्थ है "ज्ञान।"
- जब हम प्रश्न पूछते हैं, जैसे "ज्ञान क्या है?", "मैं ज्ञान कैसे प्राप्त कर सकता हूं?" "मैं अपने ज्ञान के बारे में कैसे सुनिश्चित हो सकता हूं (यदि मैं हो सकता हूं)?" और "मानव ज्ञान की सीमाएं क्या हैं?", हम ज्ञान-मीमांसा के प्रश्न पूछ रहे हैं।

To be cont.

- ज्ञान-मीमांसा, प्राकृतिक और सामाजिक विज्ञान, दोनों में अनुसंधान के लिए एक महत्वपूर्ण आधार है।
- उदाहरण के लिए, पारंपरिक वैज्ञानिक विधि एक आनुभविक ज्ञान-मीमांसा पर आधारित है। आप ठीक से किए गए प्रयोगों के माध्यम से दुनिया के बारे में जान सकते हैं (जो, तत्वमीमांसा के अनुसार एक भौतिक दुनिया है)।
- एक विकल्प नारीवादी ज्ञान-मीमांसा है, जो तर्क देता है कि सामाजिक विज्ञान में अधिकांश शोध पुरुष दृष्टिकोण से किए गए हैं।
- एक नारीवादी ज्ञान-मीमांसा के लिए यह महत्वपूर्ण है क्योंकि सभी ज्ञान शोधकर्ता के अनुभवों और संदर्भ में स्थित हैं। इस प्रकार, पुरुष-प्रधान समाजशास्त्र या नृविज्ञान (anthropology) द्वारा निर्मित ज्ञान, महिला-उन्मुख शोधकर्ताओं द्वारा उत्पादित ज्ञान के समान नहीं होगा।
- इस प्रकार, नारीवादी ज्ञान-मीमांसा अधिक एक आत्मपरक (subjective) तत्वमीमांसा पर आधारित है और इस विचार को भी खारिज करता है कि शोध यह जानने का एक तरीका है कि उद्देश्यपूर्ण रूप से "वास्तविक" क्या है।

To be cont.

- इसके बजाय, ज्ञाता हमेशा अपनी स्थिति से प्रभावित होता है, और इस प्रकार सभी ज्ञान भी स्थापित होते हैं।
- अतः संक्षिप्त में कहें तो ज्ञान-मीमांसा यह जानने की कोशिश करता है की हमें जो भी ज्ञान है वह कैसे है। यह बात करता है कि किस प्रकार लोगों को बाहरी दुनिया की जानकारी प्राप्त होती है।
- ज्ञान-मीमांसा मानव के दिमाग की ताकत और उनकी सीमा दोनों से हमें अवगत कराता है। यह हमारे सोचने की शक्ति को चुनौती देता है और सच ढूंढने में मदद करता है।
- साधारण शब्दों में कहें तो ज्ञान-मीमांसा का तात्पर्य इससे है कि वैध ज्ञान कैसे बनता है और ज्ञान प्राप्त करने का साधन क्या है।

धन्यवाद